

पर्यासन पुं. (तत्.) 1. किसी को घेरना, घेरा बनाकर बैठना, किसी के चारों ओर बैठना 2. परिक्रमा करना 3. विनाश, ध्वंस।

पर्याहार पुं. (तत्.) 1. घड़ा, घट 2. काँवर, जूआ 3. ढोना, वहन करना, ले जाना 4. बोझ 5. अन्न संग्रह।

पर्युक्षण पुं. (तत्.) श्राद्ध करने, पूजा करने या होम करने के समय मंत्रोच्चार करते हुए या बिना मंत्रोच्चार के जल छिड़कने की क्रिया।

पर्युक्षणी स्त्री. (तत्.) वह पात्र जिससे पर्युक्षण का जल छिड़का जाए, वह पात्र जिसमें पर्युक्षण का जल रखा जाए।

पर्युत्थान पुं. (तत्.) उठना, उत्थान होना, खड़ा होना।

पर्युत्सुक वि. (तत्.) 1. व्याकुल, उद्विग्न 2. दुखी, दुखयुक्त, खिन्न 3. अत्यंत उत्सुक, उत्कंठित।

पर्युदंचन पुं. (तत्.) 1. उद्धार 2. कर्ज, ऋण।

पर्युदय पुं. (तत्.) सूर्योदय समीप होने का समय।

पर्युदस्त वि. (तत्.) 1. निषिद्ध, मना किया हुआ 2. चारों तरफ फेंका हुआ 3. अलग किया हुआ, अपवाद।

पर्युदास पुं. (तत्.) 1. अपवाद 2. निषेध।

पर्युपस्थान पुं. (तत्.) सेवा, अर्चा, शुश्रूषा, आवभगत, टहल।

पर्युपासक पुं. (तत्.) 1. सेवा करने वाला, सेवक 2. उपासना करने वाला, उपासक।

पर्युपासन पुं. (तत्.) 1. सेवा, उपासना, अर्चना 2. किसी क्रुद्ध व्यक्ति को प्रसन्न करने के लिए अनुनय-विनय करना 3. प्रतिमुख संधि के तेरह अंगों में से एक 4. सद्भावना, मैत्री 5. आस-पास बैठना।

पर्युपासिता पुं. (तत्.) उपासना करने वाला।

पर्युप्त वि. (तत्.) बोया हुआ।

पर्युप्ति स्त्री. (तत्.) बोने की क्रिया, बोआई।

पर्युश्र वि. (तत्.) 1. अश्रुपूर्ण, आँसुओं से स्नान 2. जिसकी आँखों में आँसू भरे हों।

पर्युषण पुं. (तत्.) जैनियों के अनुसार तीर्थंकरों की सेवा-पूजा।

पर्युषित वि. (तत्.) 1. बासी, एक दिन पुराना या पहले का, जो ताजा न हो जैसे- पर्युषित खाना 2. नीरस, रसहीन 3. मूर्ख, मूढ़, अज्ञ 4. व्यर्थ, निरर्थक, निःसार 5. घमंडी।

पर्युहरण पुं. (तत्.) अग्नि के चारों तरफ जल छिड़कना, अग्नि को जल से मार्जन करना।

पर्येषण पुं. (तत्.) 1. खोज, अन्वेषण, तलाश 2. उपासना, सेवा, पूजा 3. वर्षा ऋतु का बीतना या बिताना।

पर्येष्टि स्त्री. (तत्.) 1. अन्वेषण, खोज, तलाश 2. पूछताछ।

पर्व पुं. (तत्.) 1. उत्सव, त्योहार 2. किसी उत्सव या त्योहार को मनाने का दिन, किसी धार्मिक कृत्य का समय, पुण्यकाल 3. दो चीजों के जुड़ने का संधि-स्थान, जोड़, गाँठ जैसे- गन्ने का पर्व, ऊँगली का पर्व, कुहनी 4. शरीर का ऐसा अंग जो किसी जोड़ के आगे हो और उसे घुमाया-फिराया या मोड़ा जा सकता हो 5. खंड, भाग, अंश जैसे- पुस्तक का भाग, पुस्तक का अंश, महाभारत के अठारह पर्व 6. सीढ़ी का डंडा 7. निश्चित या सीमित काल, अवधि विशेष 8. अमावस्या या पूर्णिमा आदि पर किए जाने वाले यज्ञ 9. आनंद और उत्सव का दिन या समय 10. आनंद का अवसर या दिन 11. उत्सव 12. सूर्य या चंद्रमा का ग्रहण जैसे- चंद्र पर्व, सूर्य पर्व 13. सूर्य का किसी राशि में संक्रमण काल, संक्रांति 14. चतुर्मास्य 15. दिन 16. क्षण 17. अवसर।

पर्वक पुं. (तत्.) पैर का घुटना, घुटने का जोड़।

पर्वकाल पुं. (तत्.) 1. पर्व का समय, पुण्यकाल 2. चंद्रमा के क्षय होने का समय यथा- अमावस्या।